उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

23, एलनगंज, प्रयागराज–211002

पाठ्यक्रम–प्रवक्ता

शिक्षा शास्त्र (12)

शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप (औपचारिक/अनौपचारिक/औपचारिकेतर) एवं विषय क्षेत्र, शिक्षा का उद्देश्य एवं शिक्षा के अभिकरण, प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा का उत्तर प्रदेश में स्वरूप एवं संगठन, महात्मा गांधी, टैगोर, अरविन्द, मालवीय, विवेकानन्द के शैक्षिक विचार, शिक्षा में नवाचार–जीवन पर्यन्त शिक्षा, सतत् शिक्षा, जनसंचार साधन और शिक्षा दूरशिक्षा एवं खुला विद्यालय, भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समस्यायें–वैदिक कालीन, बौद्धकालीन, मध्ययुगीन, ब्रिटिश कालीन एवं स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय शिक्षा की विशेषताएं उनका आधुनिक शिक्षा पर प्रभाव, स्वतंत्र भारत में शिक्षा का संवैधानिक स्वरूप एवं विभिन्न आयोगों की संस्तुतियां एवं मूल्यांकन, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में नियन्त्रण, मूल्यांकन, एवं सम्बन्धित समस्याओं की विवेचना, शिक्षा की ज्वलन्त समस्याएं–राष्ट्रीय एकता एवं शिक्षा, शिक्षित बेरोजगारी, भाषा–विवाद, छात्र–अशान्ति, नैतिक शिक्षा, शिक्षा का गिरता स्तर एवं बालिकाओं शिक्षा।

शिक्षा का दर्शन एवं समाजशास्त्र– शिक्षा एवं दर्शन का सम्बन्ध, शिक्षा–दर्शन का स्वरूप एवं महत्व शिक्षा–दर्शन की विभिन्न संस्थाएं–आदर्शवाद, प्रकृतिवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य पाठ्यक्रम विधियां एवं अनुशासन, शैक्षिक समाजशास्त्र–अर्थ एवं विषय क्षेत्र, संसकृति एवं शिक्षा का नगरीकरण एवं आधुनिकीकरण, सामाजिक स्तरीकरण एवं शिक्षा सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा, सम्प्रदाय एवं शिक्षा, धर्म एवं शिक्षा।

शिक्षा मनोविज्ञान– अर्थ क्षेत्र एवं महत्व, विकास एवं अभिवृद्धि, बालक की शैशवावस्था में शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं संवेगात्मक विकास एवं शिक्षा में उनका महत्व, व्यक्तित्व एवं वैयक्तिक भिन्नताएं व्यक्तित्व का मापन, शिक्षा में इनका महत्व सीखना– नियम एवं विभिन्न सिद्धान्त, थार्नडाइव, पैवलव, कोहलर, कोफता, रिकनपर एवं हब के सीखने के सिद्धान्तों की विवेचना एवं शैक्षिक निहितार्थ, अभिप्रेरणा एवं सीखने का स्थानान्तरण, वृद्धि–स्वरूप, सिद्धान्त एवं बुद्धिमापन, मानसिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा में इसका महत्व, चिन्तन, तर्क समस्या समाधान, सृजनात्मकता, स्मृति–विस्मृति, प्रत्यय निर्माण का अर्थ एवं शैक्षिक निहितार्थ।

शैक्षिक मापन मूल्यांकन एवं सांख्यिकी – शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन का अर्थ, क्षेत्र, उद्देश्य, निबन्धात्मक एवं वस्तुनिष्ठ परीक्षण, विश्वसनीयता, वैधता एवं मानक का निर्धारण, उपलब्धि परीक्षण का निर्माण एवं विभिन्न पदों की विवेचना, निष्कर्ष, सन्दर्भित तथा मानक सन्दर्भित मापन, ग्रेड प्रणाली, प्राप्तांको का ग्रेड में परिवर्तन, संरचनात्मक तथा योगात्मक योगात्मक मूल्यांकन, मूल्यांकन की विधियां–साक्षात्कार, निरीक्षण रेटिंग एवं उपकरण स्केल, प्रश्नावली, शिक्षा में सांख्यिकी की उपयोगिता, केन्द्रित प्रवृत्ति के मापन–माध्यमान, मध्यांक व बहुलक की गणना व व्याख्या, विचरणशीलता माप–मानक विचलन, चतुर्थांश, शतांक, विसरण, प्रयोग एवं उपयोग मानक प्राप्तांक, टी प्राप्तांक, जेड प्राप्तांक, एवं स्टेनाइन, सामान्य प्रायकिता वक्र (Probability Curve) विशेषता एवं विविध उपयोग, सहसम्बन्ध गुणांक–रैंक सहसम्बन्ध (स्वीयरमैन्स) (रो) गणना एवं विश्लेषण।